संपादकीय

वैक्सीन से ज्यादा प्रभावी प्यार की दवा

ऐसे समय में जब कोविड-19 से लड़ाई में टीकाकरण ने कुछ आस जगानी शुरू की ही थी कि वायरस एक बार फिर आक्रामक होकर लौटा है, जिससे लोगों के अंतस में डर, घबराहट और अर्थहीनता की भावना भरने लगी है। हर नयी सुबह कोविड के शिकार बने लोगों की मनहूसियत भरी खबरों से शुरू होती है। हमें बार-बार देखना पड़ रहा है कि फलां जगह अफरातफरी मची हुई है, कहीं आईसीयू में बिस्तरों एवं वेंटीलेटर की कमी है तो कहीं श्मशान घाट में मृत देह जलाने को जगह कम पड़ गई है। यह पढ़-देखकर चेतना जख्मी और कुंद होने लगती है। हमारे लिए अब न तो सूर्योदय का नजारा, न ही फूलों का खिलना, न ही पंछियों की चहचहाहट के मायने हैं। तो क्या यह प्रार्थनाओं, शुक्राने और जीवनदायिनी तरंग का समापन है या क्या यह हमें चारों ओर से घेर चुका हताशा रूपी अंधियारा है और मानस में एक ही सवाल तारी हैः क्या वैक्सीन हमें बचा पाएगी

हो सकता है आधुनिक जैव-औषधि विज्ञान एक कारगर दवा के जरिए हमें वायरस के प्रकोप से बचा ले, इसलिए टीकाकरण की प्रक्रिया का अपना बहुत महत्व है। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि केवल वैक्सीन हमें वह सब वापस नहीं दे पाएगी, जो हम खो चुके हैं। यानी मनोवैज्ञानिक इंझावात और वजूद पर बनी अनिश्चितता की वजह से बिसर चुकी एक अर्थपूर्ण जिंदगानी (न कि वह मास्क एवं सैनिटाइज़र के आसरे बची हो)। यही समय है कि हम महसूस करें कि प्यार, जो कि इनसान की परम तलाश होती है, वह वैक्सीन से कम महत्वपूर्ण नहीं है। और यह प्यार क्या है-अंधकारमय संसार में जीवन ऊर्जा का स्रोत

खैर, आधुनिकता के ग्रंथ में, जिसमें प्रगति हेतु दुनिया जीत लेने और धरती पर मानव की श्रेष्ठता कायम करने की अंतहीन चाहत, असीमित तकनीकी-आर्थिक प्रगतिवाद एवं उपभोक्त ावाद पर तो बहुत जोर है, परंतु मृत्यु की सच्चाई को लेकर इनसान असहज है। तथापि तथ्य यह है कि मौत तो खुद जन्म का एक अभिन्न हिस्सा है और इस जागृति से जीने का अर्थ है शांतमय मृत्यु को प्राप्त होना, एक अर्थपूर्ण मौत भरपूर जिंदगी जीने वाले और प्यार करने वालों को नसीब होती है। लेकिन, जैसा कि जाहिर है, आधुनिकता मौत के ख्याल से ही दूर भागती है और तमाम तकनीक-पैसे के बावजूद हम नाना प्रकार के भय में जीते हैं। कोरोना वायरस ने एक बार फिर दिखा दिया है कि हम किस कदर डर से भरे हुए हैं। इसलिए हमारे मशीनी तर्कों और लोगों को मनोविज्ञान एवं आध्यात्मिकता के मिश्रण वाली घुट्टी पिलाने वाले तथाकथित 'जीवन सिखाऊ' गुरुओं की बढ़ती संख्या के बावजूद वे अंदर से टूटे हुए हैं। एक आधुनिक युगीन इनसान होने का दम भरने वाले हम उतने भी ताकतवर नहीं हैं, जितना खुद को मान बैठे हैं।

जीवन की लय में छिपी मृत्यु को पहचानने वाले और इस हकीकत को आत्मसात करने वाले व्यक्ति के लिए यह कहना ठीक नहीं होगा कि वह कहीं अंदर आत्मघात की प्रवृत्ति पाले हुए है। इसका अर्थ यह भी नहीं है कि मैं या आप उन वैज्ञानिकों-अनुसंधानकर्ताओं-चिकित्सकों के शुक्रगुजार नहीं हैं, जिनके य ों से कोरोना वैक्सीन बन पाई है। अवश्य ही इसका तात्पर्य है भविष्य को स्वीकारने की क्षमता होना-यहां तक कि वैक्सीन उपरांत काल में जहां हरचंद अनिश्चितता बनी रहेगी, ऐसे माहौल में जीवित बने रहने के लिए हर वक्त डर में रहना ठीक नहीं है। वास्तव में यथार्थ वह बोध है, जिस घड़ी आप और मैं जीवित हैं। तो इन पलों को शुक्राना व्यक्त करते हुए और पूर्ण संचेतना से जीएं। यदि हम मौजूदा पलों की जीवंतता को खो बैठे तो किसी भी वैक्सीन की माकूल खुराकें भी हमारे अंदर भयजनित सोच से बनी मनोवैज्ञानिक व्यग्रता को नहीं बदल पाएंगी। केवल संचेतना से ही हम अपने अंदर जुड़ाव की भावना पैदा कर सकते हैं। गहराई एवं शिद्दत से जीने के लिए पंछियों की चहचहाहट सुनें, सूर्योदय की गर्माहट को महसूस करें और बच्चे की खिलखिलाहट का आनंद लें।

-अविजीत पाठक

कंपनियों ने प्लांट को बंद किया, उत्पादन को किया कम... टोयोटा, मारुति सुज़ुकी, हीरो सहित अन्य कंपनियां हैं शामिल

नईदिल्ली । कोरोनोवायरस की ताजा लहर ने प्रमुख विनिर्माण इकाइयों में औद्योगिक गतिविधि को पंगु बना दिया है क्योंकि फैक्ट्री का उत्पादन कई लोगों के लिए बहुत कम हो गया है, और यहां तक कि कुछ शीर्ष लोगों के लिए भी रुकावट है, बढ़ते हुए संक्रमण और शोरूम बंद करने के मद्देनजर, राज्यों और शहरों में लॉकडाउन और गतिशीलता प्रतिबंध लगाएं।

बंद करने की घोषणा करने वाली कंपनियों में टोयोटा, मारुति सुजुकी, हीरो मोटो और होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया (HMSI) शामिल हैं, जबकि आउटपुट कम करने वालों को हैवेल्स, निप्पॉन पेंट्स, पैनासोनिक, मर्सिडीज-बेंज, महिंद्रा एंड महिंद्रा (M & M) शामिल हैं। , एलजी (पुणे कारखाना) और टाटा मोटर्स।

शेष वायरस के प्रसार के बारे में आशंकाओं के साथ, यह माना जाता है कि उत्पादन के मोर्चे पर स्थिति चुनौतीपूर्ण रहेगी, विशेष रूप से आपूर्तिकर्ताओं और कच्चे माल के विक्रेताओं की गतिविधि भी प्रभावित हुई है।महामारी के रूप में अमेज़न के लाभ त्रिकोणीय से अधिक जारी हैअमेज़न की महामारी बूम धीमा होने के संकेत नहीं दिखा रहा है। कंपनी ने गुरुवार को कहा कि उसका पहला-तिमाही लाभ एक साल पहले की तुलना में तीन गुना अधिक है। इसने 100 बिलियन डॉलर से अधिक का राजस्व भी पोस्ट किया, दूसरी तिमाही में यह एक मील का पत्थर साबित हुआ। जैसे ही भौतिक भंडार अस्थायी रूप से बंद हो गए, घर पर रुके लोग किराने का सामान, सफाई की आपूर्ति और बहुत कुछ खरीदने के लिए अमेज़न की ओर मुड़ गए।

भारत में ऑक्सीजन आपूर्ति श्रृंखला का विस्तार करने के लिए काम करने वाला बिडेन प्रशासन- यूएसएआईडी अधिकारी

यूएसएड के एक अधिकारी ने कहा कि बिडेन प्रशासन भारत में ऑक्सीजन की आपूर्ति श्रृंखला का विस्तार करने और जीवन बचाने के लिए काम कर रहा है।

कई कंपनियों ने अपने कारखाने के रखरखाव को बंद कर दिया है क्योंकि वे प्रतीक्षा करते हैं और स्थिति को देखते हैं। एचएमएसआई ने कहा है कि वह 15 मई से सभी चार संयंत्रों (हरियाणा, राजस्थान, कर्नाटक, गुजरात) में उत्पादन रोक रहा है। कंपनी ने कहा, होंडा अपनी वार्षिक संयंत्र रखरखाव गतिविधियों को आगे बढ़ाने के लिए इस अस्थायी उत्पादन पड़ाव का उपयोग करेगी।

आईबीएम ने 200 करोड़ डॉलर में किया टर्बोनोमिक का अधिग्रहण

नईदिल्ली । दिग्गज तकनीकि कंपनी आईबीएम ने अमेरिका स्थित सॉफ्टवेयर कंपनी टर्बोनोमिक का अधिग्रहण कर लिया।

रिपोर्ट के मुताबिक, यह सौदा दो सौ करोड़ डॉलर में तय हुआ है। टर्बोनोमिक के अधिग्रहण के साथ आईबीएम मैनेजिंग परफॉर्मेंस से जुड़ी उच्च लागतों को दूर करने में कंपनियों की मदद करेगा और साथ ही एक जटिल हाइब्रिड क्लाउड एंवायरनमेंट का तेजी से प्रसार कर कई अनुप्रयोगों की उपलब्धता को बढ़ाएगा।

आईबीएम क्लाउड और डेटा प्लेटफॉर्म के परिष्ठ उपाध्यक्ष रॉब थॉमस ने कहा, एक हाइब्रिड क्लाउड और एआई कंपनी के तौर पर अपने भविष्य को आकार देने की दिशा में आईबीएम निरंतर कार्यरत है।

उन्होंने गुरुवार को अपने एक बयान में कहा, टर्बोनोमिक का अधिग्रहण इस बात का उदाहरण है कि इस रणनीति को आगे बढ़ाने की दिशा में हम किस तरह से निवेश कर रहे हैं। यह हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। साथ ही इससे कस्टमर्स को इस बात की सुनिश्चितता मिलती है कि वे डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन के सबसे अनोखे रास्ते पर आगे बढ़ रहे हैं।

आरबीआई ने नयी मोद्रिक निति के लिए सर्वेक्षण की शुरुआत की कहाः 6 हजार घरों के मूल्य मुद्रास्फीति पर आकलन करना है

नईदिल्ली । रिजर्व बैंक ने मुद्रास्फीति की उम्मीदों और उपभोक्ता विश्वास पर कब्जा करने के लिए घरों के सर्वेक्षण के नवीनतम दौर की शुरुआत की घोषणा की, जो अपनी मौद्रिक नीति के लिए उपयोगी इनपुट प्रदान करता है। केंद्रीय बैंक नियमित रूप से इन सर्वेक्षणों का संचालन कर रहा है।भारतीय रिज़र्व बैंक ने मई 2021 के मुद्रास्फीति की उम्मीद सर्वेक्षण सर्वेक्षण के दौर की शुरुआत की घोषणा करते हुए कहा कि इसका लक्ष्य 18 शहरों में अपने व्यक्तिगत उपभोग के आधार

पर लगभग 6,000 घरों के मूल्य आंदोलनों और मुद्रास्फीति पर व्यक्तिपरक आकलन पर कब्जा करना है।

सर्वेक्षण मूल्य परिवर्तन (सामान्य मूल्य और विशिष्ट उत्पाद समूहों की कीमतों) पर तीन महीने में घरों के साथ-साथ एक साल आगे की अवधि और वर्तमान में मात्रात्मक प्रतिक्रियाओं, तीन महीने आगे और एक वर्ष पर गुणात्मक प्रतिक्रियाओं की तलाश करता है।

शहरों में अहमदाबाद, बेंगलुरु, भोपाल, भुवनेश्वर, चंडीगढ़, दिल्ली और गुवाहाटी शामिल हैं।उपभोक्ता विश्वास सर्वेक्षण के मई 2021 दौर में अहमदाबाद, बेंगलुरु, भोपाल, चेन्नई, कोलकाता, लखनऊ, मुंबई और तिरुवनंतपुरम सहित 13 शहरों में लगभग 5,400 उत्तरदाता शामिल होंगे।सीसीएस सामान्य आर्थिक स्थिति, रोजगार परिदृश्य, मूल्य स्तर, परिवारों की आय और व्यय पर उनकी भावनाओं के बारे में, घरों से गुणात्मक प्रतिक्रियाएं मांगता है।आरबीआई द्वारा लगी एजेंसी कोविड-19 महामारी को देखते हुए टेलीफोन पर (नियमित व्यक्तिगत साक्षात्कार मोड के बजाय) सर्वेक्षण करेगी।दर-निर्धारण मौद्रिक नीति समिति की अगली बैठक 2 से 4 जून, 2021 के दौरान निर्धारित है।

रोसनेफ्ट ने मॉस्को में खोला दुनिया का पहला जियोनेविगेशन स्कूल

नईदिल्ली । इंटीग्रेटेड एनर्जी कंपनी रोसनेफ्ट ने दुनिया के सबसे पहले जियोनेविगेशन स्कूल की शुरूआत की है। इसे ड्रिलिंग सपोर्ट के क्षेत्र में विशेषज्ञों को प्रशिक्षण देने के मकसद से डिजाइन किया गया है। स्कूल का निर्माण कॉर्पोरेट जियोलॉजिकल ड्रिलिंग सपोर्ट सेंटर के आधार पर किया गया है। इसके पाठ्यक्रम में 10 से अधिक अनोखे पाठ्यक्रम शामिल हैं।

रोसनेफ्ट के ड्रिलिंग सपोर्ट सेंटर के निदेशक यारोस्लाव स्माइशलियाव ने कहा है, रोसनेफ्ट का सेंटर ड्रिलिंग सपोर्ट सर्विस के क्षेत्र में दुनिया के अग्रणी प्रदाताओं में से एक हैं। दुनिया में हॉरिजॉन्टल वेल्स में इसका नियंत्रण कहीं अधिक है। अपने बयान में वह आगे कहते हैं, हमारे सेंटर में कई सारी सेवाएं हैं। इसमें न केवल ड्रिलिंग का जियोलॉजिकल सपोर्ट शामिल हैं, बल्कि ड्रिलिंग के दौरान की जाने वाली लॉगिंग, सीस्मोजियोलॉजिकल विश्लेषण, समर्थन की भू-तकनीकी मॉडलिंग की व्याख्या भी शामिल है।

वैज्ञानिक और तकनीकी क्षमता का एकीकृत विकास रोसनेफ्ट, 2022 रणनीति के प्रमुख तत्वों में से एक है।

जियोनेविगेशन रियल टाइम में किसी रिजर्वायर के सबसे उत्पादक हिस्से की अधिक गहराई तक जाने की दिशा में रास्ते को समायोजित करने की एक प्रक्रिया है। विशेष जियोनावेक्शन सॉफ्टवेयर का उपयोग करके ड्रिलिंग के दौरान लॉगिंग डेटा के विश्लेषण के आधार पर इसमें सुधार किया जा सकता है।

आप नहीं जानते होंगे फिटकरी ये 5 बेमिसाल फायदे, आइए जाने...

फिटकरी का उपयोग आम तौर पर पानी से अशुद्धियों को फिल्टर करने और इसे साफ करने के लिए किया जाता है। फिटकरी देसी इलाज है। सालों से लोग इसका प्रयोग करते आए हैं। इसका कारण है इसमें पाए जाने वाल औषधीय गुण। इसमें एंटी-बैक्टीरियल गुण पाए जाते हैं। इसके गुणों के कारण फिटकरी का इस्तेमाल कई चीजों के लिए होता है जैसे पानी को साफ करना, शेव के बाद ऐसे कई कार्य है जिसमें फिटकरी का उपयोग किया जाता है। एक छोटी सी फिटकरी कई तरह से फायदेमंद हो सकती है। फिटकरी कई तरह के इंफेक्शन और घावों को काफी तेजी से ठीक कर सकती है।

रक्त के बहाव को कमः रक्त के बहाव को कम करने के लिए फिटकरी बहुत काम की चीज है। किसी चोट के कारण रक्त का बहाव हो तो उस स्थान पर फिटकरी लगाना फायदेमंद होता है। इसके अलावा फिटकरी लगाने से बैक्टीरिया भी नहीं पनपते।

दांतों में दर्दः यदि आपके दांतों में दर्द है और आपको उससे निजात नहीं मिल रही, तो फिटकरी का पाउडर संबंधित स्थान पर लगाएं। ऐसा करने पर आपको दांत दर्द से निजात मिल जाएगी।

पसीने की बदबूः शरीर पर जमी गंदगी और कीटाणुओं को समाप्त करने के लिए फिटकरी के पानी से नहाना बहुत अच्छा उपाय है। यह आपके शरीर और पसीने की बदबू को भी कम करेगा।

यूरीन संबंधी समस्याः यदि आप यूरीन संबंधी समस्या या इंफेक्शन से परेशान हैं, तो फिटकरी के पानी से संबंधित स्थान की सफाई करना बेहतर होगा। इससे बैक्टीरिया खत्म हो जाएंगे और इंफेक्शन फैलने के बजाए वह ठीक हो जाएगा।

त्वचा के दाग धब्बेः त्वचा के दाग धब्बे हटाने के लिए फिटकरी एक बढ़िया उपाय है। आप चाहें तो नियमित रूप से चेहरे पर फिटकरी से मसाज करें या फिर फिटकरी से पानी से चेहरे को साफ करें। त्वचा बेदाग हो जाएगी।

रकुल प्रीत सिंह बनेंगी कॉन्डम टेस्टर, निभाएंगी अब तक का सबसे बोल्ड अवतार

रकुल प्रीत सिंह अपने करियर का सबसे अलग किरदार करने वाली हैं जो आज तक किसी एक्ट्रेस ने नहीं किया. रॉनी स्क्रूवाला दरअसल रकुल प्रीत सिंह के साथ वुमन सेंट्रिक फिल्म लेकर आ रहे हैं और इसमें रकुल एक कॉन्डम टेस्ट करने वाली महिला का किरदार निभाएंगी.

रिपोर्ट के मुताबिक, रकुल इस फिल्म को करने के लिए तैयार हैं. ये एक सोशल कॉमेडी फिल्म है. फिल्म का नाम अभी फाइनल नहीं हुआ है, लेकिन ये कन्फर्म है कि रकुल एक कॉन्डम टेस्टर का किरदार निभाएंगी.

जिन्हें पता नहीं है कि कॉन्डम टेस्टर क्या होते हैं उन्हें बता दें कि बड़ी कॉन्डम मैन्यूफेक्चर्स 18 साल से ऊपर के लोगों को हायर करते हैं और पे रोल पर उन्हें रखते हैं. उन्हें इंटिमेसी के दौरान चेक करना होता है कि कॉन्डम की ड्यूरेब्लिटी कितनी है. ये हर नए प्रोडक्ट के लॉन्च के दौरान होता है और उनका फीडबैक बहुत महत्वपूर्ण होता है. खबर ये भी है कि इससे भारत में जो कॉन्डम को लेकर लोग अभी शर्माते हैं वो सोच बदल जाएगी. फिल्म बोल्ड होगी, लेकिन साथ ही ह्यूमर के साथ इस सब्जेक्ट को लेकर लोगों को जागरुक किया जाएगा. रकुल जल्द ही अर्जुन कपूर के साथ फिल्म सरदार का ग्रैंडसन में नजर आने वाली हैं. कुछ दिनों पहले फिल्म का ट्रेलर रिलीज हुआ था. 'सरदार का ग्रैंडसन' एक नेटफ्लिक्स ओरिजनल फिल्म है, जिसे ओटीटी पर 18 मई को रिलीज किया जाएगा.

अच्छी कहानी का आगमन किसी भी इंडस्ट्री से हो सकता है : नवीन पोलिशेट्टी

अभिनेता नवीन पोलिशेट्टी की नई तेलुगू फिल्म जथी रत्नालु को ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज होने के बाद से काफी अच्छी प्रतिक्रियाएं मिली हैं। आने वाले समय में नवीन की कई योजनाएं हैं। वह कई भाषाओं में फिल्में करने की चाहत रखते हैं। नवीन ने बताया, मैं देशभर के किसी भी हिस्से की फिल्म में काम करना पसंद करूंगा। कहानी चाहे कहीं की भी हो या निर्देशक कोई भी हो। मैं कई भाषाओं में काम करना चाहता हूं। नवीन साल 2019 में आई सुशांत सिंह अभिनीत फिल्म छिछोरे में एसिड की भूमिका निभाकर बॉलीवुड में अपना डेब्यू कर चुके हैं। इसी साल तेलुगू में आई उनकी फिल्म एजेंट साई श्रीनिवास आत्रेय को भी दर्शकों ने खूब सराहा था। अभिनेता का कहना है, जथी रत्नालु, छिछोरे, एजेंट जैसी फिल्मों ने अच्छी कहानियों के लिए मेरे दरवाजे खोल दिए हैं।

आज का राशिफल

मेषः कुबुद्धि हावी रहेगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। विवाद से दूर रहें। कुसंगति से बचें। भूमि व भवन संबंधी बाधा दूर होगी। बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। आय में वृद्धि होगी।

वृषभः यात्रा मनोरंजक रहेगी। किसी मांगलिक कार्यक्रम में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता प्राप्त करेगा। स्वादिष्ट भोजन का आनंद प्राप्त होगा।

मिथुनः व्यर्थ भागदौड़ रहेगी। समय का अपव्यय होगा। दूर से दुःखद समाचार प्राप्त हो सकता है। विवाद से क्लेश होगा। काम में मन नहीं लगेगा।

कर्कः कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। शारीरिक कष्ट संभव है। परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। कोई ऐसा कार्य न करें जिससे कि नीचा देखना पड़े।

सिंहः शत्रु शांत रहेंगे। वाणी पर नियंत्रण रखें। दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। घर में प्रतिष्ठित अतिथियों का आगमन हो सकता है।

कन्याः भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। रोजगार प्राप्ति सहज ही होगी। व्यावसायिक यात्रा से लाभ होगा। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। निवेशादि शुभ रहेंगे।

तुलाः अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है। पुराना रोग उभर सकता है। वाणी पर नियंत्रण रखें। किसी भी अपरिचित व्यक्ति पर अंधविश्वास न करें।

वृश्चिकः प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। शुभ समाचार मिल सकता है। शारीरिक कष्ट संभव है। अज्ञात भय रहेगा। लेन-देन में सावधानी रखें। चिंता रहेगी। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे।

धनुः आराम का समय मिलेगा। आशंका-कुशंका रहेगी। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा।

मकरः यात्रा मनोनुकूल लाभ देगी। राजभय रहेगा। जल्दबाजी व विवाद करने से बचें। थकान महसूस होगी। किसी के व्यवहार से स्वाभिमान को ठेस पहुंच सकती है।

कुंभः वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। शारीरिक शिथिलता रहेगी। काम में मन नहीं लगेगा। किसी अपने का व्यवहार प्रतिकूल रहेगा।

मीनः कष्ट, भय व चिंता का वातावरण बन सकता है। विवेक से कार्य करें। समस्या दूर होगी। कानूनी अड़चन दूर होकर स्थिति मनोनुकूल बनेगी। किसी वरिष्ठ व्यक्ति का मार्गदर्शन प्राप्त होगा।

घर पर बनाएं इतना टेस्टी स्नैक्स पास्ता चीज

शाम के वक्त कुछ लोगों का काम सिर्फ चाय से ही चल जाता है लेकिन कुछ लोगों को इसके साथ तीखा या चटपटा खाने का दिल करता है। तो आज हम ऐसे स्नैक्स के बारे में जानेंगे जो है बहुत टेस्टी।

सामग्री :

पास्ता- 1 कप (उबला और कटा), प्रोसेस्ड चीज़- 1/2 कप (कद्दूकस), मक्खन- 2 टेबलस्पून, मैदा- 5 टेबलस्पून, दूध- डेढ़ कप, हरा धनिया- 2 टेबलस्पून (बारीक कटा), नमक- स्वादानुसार, हरी मिर्च- 2 टीस्पून (बारीक कटी), ब्रेड क्रंब्स- 1/2 कप, तेल- तलने के लिए

बैटर बनाने के लिए- मैदा- 1/2 कप, पानी- 3/4 कप

विधि :

एक नॉन-स्टिक पैन में मक्खन गर्म करें और उसमें मैदा डालकर उसे मीडियम आंच पर एक से दो मिनट तक भून लें। अब उसमें दूध डालकर लगातार चम्मच से चलाते हुए मीडियम आंच पर छह से सात मिनट तक पका लें। अब मिक्सचर को ठंडा होने के लिए अलग रख दें। जब मिक्सचर ठंडा हो जाए, तब इसमें पास्ता, चीज़, धनिया, हरी मिर्च और नमक डालकर अच्छी तरह मिक्स कर लें।

अब मिक्सचर से छोटे और गोल बॉल्स बना लें। अब एक बाउल में मैदा और पानी डालकर मिक्स करते हुए गाढ़ा बैटर बना लें। फिर बॉल्स को मैदे के बैटर में डिप करें और फिर इन्हें चारों तरफ से ब्रेड क्रंब्स से कोट करें। अब कड़ाही में तेल गरम करें और मीडियम आंच पर थोड़े-थोड़े बॉल्स डालकर गोल्डन ब्राउन होनेतक डीप फ्राई कर लें। अब इसे सर्विंग प्लेट में निकालें और कैचअप या चिली सॉस के साथ सर्व करें।

शब्द सामर्थ्य- 65

बाएं से दाएं
1. बात, घटना, माजरा, मुकदमा (उर्दू) 3. अलावा, अतिरिक्त 6. प्रेम, इच्छा 7. मां का बच्चे के प्रति प्रेम 8. गलती, जुर्म, गुनाह, दोष 10. मग्न, लीन, खुश, प्रसन्न 12. धनुष, समादेश, फौजी टुकड़ी 13. एक कल्पित पत्थर जो लोहे को छूकर सोना बना देता है 16. हिम्मत, साहस, सामर्थ्य 17. बनावटी, अनुकृति, असली का विलोम 18. अबोध, नासमझ 20. ब्रह्मापुत्र एक प्रसिद्ध हरिभक्त देवर्षि 22. गहरा नीला, काला 23. व्याकुल, बेसब्र 24. मन, चित्त, आदरसूचक तथा सहमति सूचक एक शब्द।

ऊपर से नीचे
1. स्वामी, नाथ 2. बेबस, मजबूर, विवश 3. अन्याय, अत्याचार, जुल्म 4. मध्य एशिया का एक देश 5. पुस्तक 9. बहादुर, वीर 11. सैनिक विद्रोह 12. नीच, अधम 12 ए. प्रणाम, झुकना 13. भरण-पोषण करना, परवरिश करना, छोटा झुला, हिंडोला 14. प्रमाण, प्रमाणिक कथन 15. स्वाभाविक ढंक, योग्यता, लियाकत, सभ्यता और शिष्टता, शऊर (उ.) 19. बिजली, तड़ित 21. रात में दिखाई न पड़ने का नेत्र संबंधी रोग।

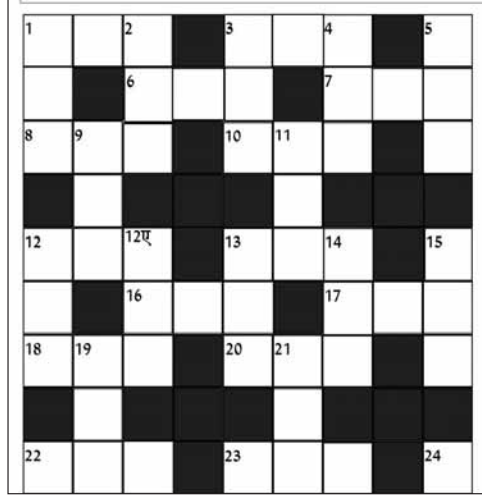

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 64 का हल

प	सं	द	■	सिं	हा	स	न	■
ख	■	म	ज	दू	र	■	का	म
वा	द	क	■	र	■	सं	ब	ल
ड़	■	ल	ज्जा	■	म	स्का	■	य
■	बा	■	■	बि	हा	र	■	■
सु	धा	क	र	■	न	■	■	औ
रं	■	म	■	कि	ता	ब	■	स
ग	■	अ	र	सा	■	हु	ज्ज	त
■	श	क्ल	■	न	मि	त	■	न

सू-दोकू- 65

		3					7	
9				6		3		8
	7		9		5		6	
						1		9
3		8		7			5	
	1		3		9			7
		2		8		7		
	8				2		4	3
			1					

नियम
1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.64 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6